Year 2022-23

laLFkkxr ifjp; %

1.	**संस्था का नाम**	:	अभियान, अतर्रा (बांदा)
2.	**पता**	:	लोधू थोक, (डाकघर के सामने) , अतर्रा जिला– बांदा (उ0प्र0), पिन– 210 201
3.	**संचार सम्पर्क**	:	**फोन :** 05191–211359 **मो0:** 9452510195 **ई–मेल :**abhiyanbanda10@rediffmail.com abhiyanbanda@yahoo.com **वेबसाइट :**www.abhiyanbanda.in
4.	**मुख्य कार्यकारी**	:	अशोक कुमार श्रीवास्तव, निदेशक
5.	**स्थापना वर्ष**	:	अगस्त 1985
6.	**संगठन का स्वरूप**	:	अलाभकारी स्वैच्छिक संगठन
7.	**वैधानिक स्थिति** **(Legal Status)**	:	**सोसाइटी पंजीयन संख्या**–1186 / 86–87 (02.04.1986 को पंजीकृत) Jhansi (Renewal 13.08.2021)
		:	**FCRA No.**136280008 (18.06.1986)(Renewal 23.03.2022)
		:	**12A : 12A/749/AA**(IT Act के अन्तर्गत पंजीकृत) **80G : AABTA1075CF 20225** **PAN : AA BTA 1075C** **TAN : KNPA02754D** **CSR-1 : CSR00024522** **DARPAN ID : UP/2017/0166625**
8.	**कार्यक्षेत्र**	:	उ0प्र0 के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के बांदा एवं चित्रकूट जनपद
9.	**लक्ष्य**	:	जन सहभागिता के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण संम्वर्धन करते हुए निर्धन एवं पिछड़े लोगों का आर्थिक व सामाजिक विकास करना
10.	**उद्देश्य**	:	• आर्थिक समानता, सामाजिक न्याय तथा लोकमत पर आधारित ग्रमीण विकास करना। • स्वास्थ्य सेवा, परिवार नियोजन एवं शिशु कल्याण के प्रति लोगों में सही समझ को विकसित करना तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धति को पुनर्जीवित करना। • गरीब वर्ग के बालक / बालिकाओं एवं महिलाओं / पुरूषों में औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा के प्रति रूचि पैदा करना एवं शिक्षा के प्रचार–प्रसार में सहयोग करना। • ग्रामीण युवक / युवतियों को सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पहलुओं की सही जानकारी देना तथा उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु सहभागी प्रशिक्षणें का आयोजन करके उनके अन्दर ज्ञान, जागरूकता व निपुणता की क्षमता उत्पन्न करना, साथ ही शासकीय सुविधाओं, नियमों व कानूनों से हितग्राहियों व जनमानस को अवगत कराना। • जनसहभागिता के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि विकास एवं स्थायी आजीविका से जुड़े कार्यक्रमों को संचालित करने का प्रयास करना। • महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु विकास प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के अवसरों को बढ़ाना तथा पंचायतों को सशक्त बनाने का प्रयास करना।

- सरकारी व गैर सरकारी सेवाओं व सुविधाओं से समुदाय को लाभान्वित कराने में सहयोग करना तथा परम्परागत तकनीकी पद्धतियों से पुर्नजीवित करना।

11. लक्षित समूह : गरीब, पिछड़े व उपेक्षित समुदाय के महिला, किशोरी, बच्चे, युवा, किसान।

12. प्रमुख कार्य के मुद्दे :
- महिला एवं बाल विकास
- आजीविका
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- जल एवं स्वच्छता
- पंचायतीराज
- एडवोकेशी / नेटवर्किंग

13. संस्थागत संसाधन :
- भूमि / निजी भवन
- दुपहिया वाहन
- कम्प्यूटर / लैपटॉप
- कैमरा / जी0पी0एस0
- फर्नीचर / अलमारी
- साइकिल
- इनवर्टर / बैटरी

प्रबन्ध समिति की सूची :

क्र. सं.	नाम	पद	नियुक्ति का दिनांक	व्यवसाय	पता
1.	श्री हरीमोहन राय पुत्र श्री संपतराय	अध्यक्ष	09.09. 2007	नौकरी / समाजसेवा	गॉधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना(म0प्र0)
2.	श्री अशोक कुमार पुत्र श्री रामस्वरूप	निदेशक	02.04. 2011	समाजकार्य	लोधू थोक, अतर्रा(बाँदा) उ0प्र0
3.	श्रीमती ममता वर्मा पत्नी श्री राजकिशोर वर्मा	संयोजक	02.04. 2011	समाजकार्य	ग्राम / पोस्ट– रसिन, चित्रकूट
4.	श्री रामकिशोर पुत्र श्री नौमतलाल	कोषाध्यक्ष	21.11. 2012	व्यवसाय	ग्राम–टिटिहरा, पोस्ट–भरतकूप (चित्रकूट)
5.	श्री पियूषदास पुत्र श्री संतोष कुमार दास	परामर्शदाता	09.09. 2007	एनजीओ जॉबवर्क	ग्रा0 / पो0–ओरंगी, जिला–बालासोर (उडीसा)
6.	श्रीमती वन्दना सिंह	सदस्य	03.07. 2022	गृहकार्य	ग्रा0 पिपरहरी, पोस्ट–पचोखर, तहसील–नरैनी

					जनपद–बांदा, उ0प्र0 210129
7.	श्रीमती सन्तोषी सैनी पत्नी श्री सन्तोष कुमार	सदस्य	29.04. 2021	नौकरी	वार्ड नं0 17 बजरंग नगर, अतर्रा (बाँदा) उ0प्र0 210201
8.	श्रीमती नीलम पत्नी श्री प्रभात कुमार	सदस्य	02.04. 2007	समाजसेवा	ग्रा0 / पो0–सातोसिकरी, रामोपट्‌टी जिला– बक्सर (बिहार)
9.	श्री अरविन्द छिरौलिया पुत्र श्री श्यामलाल	सदस्य	02.04. 2007	समाजसेवा	ग्राम–कालींजर, पोस्ट–कालींजर जिला–बॉदा (उ0प्र0)
10.	श्री श्रवण कुमार पुत्र श्री काशी प्रसाद	सदस्य	02.04. 2011	समाजसेवा	ग्राम– मछरिहा, पोस्ट–शिवरामपुर(चित्रकूट)
11.	श्री अम्बरीष कुमार पुत्र श्री अखिलबिहारी	सदस्य	25.11. 2012	समाजकार्य	ए–267, आवास विकास कालोनी, (बाँदा) उ0प्र0

परियोजना व गतिविधियां:¼o"kZ 2022&23½

क0	परियोजना का नाम	कियान्वयन क्षेत्र	लक्षित समूह	गतिविधियां	आर्थिक सहयोग
1.	**बुन्देलखण्ड में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम (One Tree Planted Programme),OTP**	बुन्देलखण्ड का बांदा एवं चित्रकूट जनपद के 30 गांव		●जन सम्पर्क, जन जागरूकता (बैठकें,दीवाल लेखन पम्पलेट वितरण, फलैक्स,मोबाइल वैन) ● किसानो का संगठन, बैठक, प्रशिक्षण ● वृक्षारोपण हेतु किसानो व खेत का चयन मांग पत्र व पंजीकरण	**SGI**

				• नर्सरी निर्माण, पौध वितरण, वृक्षारोपण, मॉडल प्लाट निर्माण • सब्जी उत्पादन • वृक्षारोपण कार्य का मानीटिरिंग व मूल्यांकन • रिपोर्टिंग एवं डाक्यूमेन्टेशन • कार्यकर्ताओं की बैठके • एडवोकेशी नेटवर्किंग	
2.	**सुरक्षित एवं स्वच्छ जल उपलब्धता परियोजना**	चित्रकूट जनपद की 15 ग्रामव 05 स्कूल (10 ग्राम पंचायत)	समुदाय व स्कूली बच्चे	• हैण्डपम्प प्लेटफार्म एवं मरम्मत कार्य • रेनवाटर हार्वेस्टिंग/ग्राउण्ड वाटर रिचार्जिंग • स्कूल में हैण्डवाशिंग यूनिट, सेनेटरी ब्लाक, ड्रिकिंग वाटर फैसिलिटीज • मेन्सुरल हाईजीन मैनेजमेन्ट • पाइप लाइन पेयजल आपूर्ति • प्रशिक्षण एवं क्षमतावृद्धि • एम.एच.एम. कम्पेन,	**वाटरएड, इण्डिया/ जल सेवा चैरिटेबल फाउन्डेशन के सहयोग से**
3.	**एडवोकेशी/नेटवर्किंग**	बाँदा,चित्रकूट जनपद	स्वैछिक संगठन, दाता संस्थायें, वॉश फोरम, शिक्षण संस्थान, पंचायत, प्रशासन	• जल चौपाल • बरूवा नाला • बुन्देलखण्ड वाटर विजन 2047 • प्लानिंग मीटिंग • संसाधनों तक पहुच बढाना	**जिला वॉश फोरम व अभियान, अतर्रा का संयुक्त कार्यक्रम**

समाचार पत्र :

चित्रकूट/आसपास जागरण

'पानी के संरक्षण में प्रभावी है खेत में मेड़'

जल चौपाल बरुआ नाला के सीमांकन, पौधारोपण का कार्य प्राथमिकता के साथ कराया जाए

कार्यक्रम में बोले सांसद

जास, चित्रकूट : सांसद आरके पटेल ने कहा कि भारत सरकार ने जल एवं स्वच्छता के मुद्दे पर वर्ष 2014 से तेजी के साथ काम कर रही है। जागरूकता के कार्यक्रम में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है पानी के क्षेत्र में काम कर रहे उमाशंकर पांडेय को पद्मश्री पुरस्कार बुंदेलखंड के साथ-साथ देश के लिए एक गौरव है। खेत में मेड़, मेड़ में पेड़ की परंपरा, पानी के संरक्षण के लिए बहुत ही प्रभावी रही है।

वाटरएड एवं ग्लोबल इंटरफेस वाश एलायंस के संयुक्त तत्वाधान में रैन बसेरा में आयोजित जिला स्तरीय जल चौपाल में उन्होंने कहा कि हमारे नदी व नालों के किनारे आम, नीम, जामुन, पीपल, बरगद, गुलर, अर्जुन, पलाश आदि के पेड़ बहुत पाए जाते थे जो हमारे जीवन के लिए उपयोगी व दीर्घायु वाले होते थे नदी तालाब हमारे जीवन से जुड़े रहे हैं, लेकिन भौतिकवाद स्वीमिंग पुल बनाने का काम हो रहा है, जबकि तालाब ही हमारे स्वीमिंग पुल होते थे। लोग तालाबों की सफाई व खुदाई के लिए एकजुट होकर काम करते थे। आज तालाबों में पानी जाने के रास्तों पर अतिक्रमण है। प्रत्येक जनपद में 75-75 अमृत सरोवर बनाए गए हैं और खेत तालाब की योजना भी चल रही है। बरूवा नाला के सीमांकन एवं खुदाई का काम मनरेगा से कराया जाए। सांसद ने जल एवं स्वच्छता के मुद्दे पर एक शपथ भी दिलाई गई। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया विकास और प्रगति को लेकर पागल हो रही है। ये विकास और प्रगति केवल भौतिकवाद पर आधारित है। वाटरएड लखनऊ के सरजिल खान व जिला वाश फोरम के आलोक द्विवेदी ने कहा कि हमारे परंपरागत जल स्रोतों का जल स्तर बहुत तेजी से घट रहा है या तो सुख गए हैं। जिला वाश फोरम के शंकर दयाल पयासी, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, रेनू शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा रहे।

जिवा वास फोरम के कार्यकर्ता को प्रमाण पत्र देते सांसद आरके सिंह पटेल (बीच में) ● संस्था

जाएगी। (संवाद)

चौपाल — सांसद बोले-पानी बचाने के लिए मिलकर करें कार्य

कुओं और तालाबों का करें संरक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

चित्रकूट। पानी की समस्या को लेकर वाटरएड एवं ग्लोबल इंटरफेथ वॉश एलायंस के संयुक्त तत्वाधान में सीतापुर कस्बा स्थित रैन बसेरा सभागार में चौपाल हुई। इसमें तालाबों और कुओं के संरक्षण पर चर्चा की गई।

चौपाल में सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि नदी, तालाब हमारे जीवन से जुड़े हैं। आज भौतिकवाद के कारण स्वीमिंग पूल बनाया जा रहा है। एक समय था तालाब ही स्वीमिंग पूल का कार्य करते थे। तालाब में पानी जाने वाले रास्तों पर अतिक्रमण हो गया है। बारिश के पानी के संचय के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि कहा कि गलत तरीके से विकास कार्य करने से जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इससे बाढ़, सूखा और भूकंप की समस्या हो रही है। प्रकृति को बचाने का काम गांव से ही आरंभ होता है। वाटरएड लखनऊ संस्था के सुरजिल खान ने बताया कि भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को 55 लीटर पानी की जरूरत है। जल को संरक्षित करने के लिए कई माध्यम हो सकते हैं।

जिला वॉश फोरम के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि परंपरागत जलस्रोत तेजी से घट रहे है। नदियों, तालाबों और गांवों में पौधरोपड़ अधिक से अधिक किया जाए। इस मौके पर शंकर दयाल पयासी, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, सुनील कुमार, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, रेनु शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा भी मौजूद रहे।

जल संरक्षण की चौपाल में बोलते सांसद आरके सिंह पटेल। संवाद

अमर उजाला

आज
कानपुर
23 मार्च 2023
5
चित्रकूट

बरूआ नाला का सीमांकन व खुदाई का कार्य किया जाएगा: डीएम

जल है तो कल है थीम पर जिलास्तरीय जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

जागरूकता कार्यशाला को सम्बोधित करते डीएम अभिषेक आनन्द।

चित्रकूट, 22 मार्च। विश्व जल दिवस पर बुधवार को जिला पंचायत सभागार में 'जल है तो कल है' थीम पर जिला स्तरीय जागरूकता पाठशाला का आयोजन जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें जल संरक्षण के लिए काम करने वाले अभियान संस्था अतर्रा व जिला वास फोरम सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा कि सरकार बुंदेलखंड में जल संरक्षण के लिए कई योजनाएं चला जा रही है। खेत तालाब, मेड़बंदी, पुराने तालाबों की खुदाई व मरम्मत, ग्रामीण क्षेत्रों में अमृत सरोवर का निर्माण व वृहद स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। जिले में छह सौ किसानों के खेतों में तालाब निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। जो मई व जून माह में खोदे जाएंगे। जिनमें फलदार पौधों का रोपण भी किया जाएगा। जिससे मेड़ों के मिट्टी का कटान रुकेगा व वर्षा जल संरक्षित होगा। इन तालाबों से किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि गोष्ठी में वक्ताओं के काफी अच्छे सुझाव आए है। शहरी क्षेत्र में तालाबों का जीर्णोद्धार का काम कराया जाएगा। बरूआ नाला का सीमांकन व खुदाई का कार्य किया जाएगा। शहर के अंदर होटल, लाज, व्यावसायिक दृष्टि से जो भवन बन रहे है उन भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य अवश्य किया जाए। जल्द की सर्वे कराएंगे जिन भवनों में व्यवस्था नहीं है उनको नोटिस दिया जाएगा।

डीएम ने कहा कि सरकारी विभागों और अन्य बड़े परिसरों में सभी जगह इंटरलाकिंग करा दिया जाता है जो गलत है। कुछ जगहों पर कच्चा प्लाट छोड़े। उसमें लान बनाएं और पौधारोपण करें ताकि वर्षा जल का संचय हो। जिले की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए जल मिशन योजना से हर घर टोंटी नल का 80 प्रतिशत काम हो चुका है। कर्वी नगर के लिए भी एक पेयजल योजना बनाई जा रही है जिसमें यमुना नदी से पानी लाया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्षा का पैटन बदल रहा है जो पहले वर्षा जून जुलाई में होती है वह जुलाई के अंतिम सप्ताह व अगस्त माह में वर्षा होती है। इसी प्रकार जो सर्दी में होने वाली वर्षा अब हो रही है जलवायु परिर्वतन का प्रभाव खेती पर पड़ रहा है। जिससे कम पैदावार व गुणवत्ता में कमी आ रही अनावृष्टि पहले नही होती थी अब असमय वर्षा ओलावृष्टि होने के कारण फसलें प्रभावित हो रही व उत्पादकता में कमी आ रही है।

उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन के लिए भूमि संरक्षण विभाग द्वारा खेत तालाब मेड़बंदी का कार्य किया जा रहा है दीनदयाल समृद्धि योजना के माध्यम से खेत का पानी खेत में रोकने के लिए काम किया जा रहा है। इस विभाग द्वारा जिले में 440 खेत तालाब पर निमार्ण कार्य का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बुंदेलखंड क्षेत्र में पहले मोटे अनाज व कम पानी की फसलों का उत्पादन किया जाता था। क्योंकि पहले सिंचाई के साधनो का आभाव था, अब सिंचाई के संसाधन होने की वजह से किसानों द्वारा गेहू, धान व अधिक पानी लगने वाली फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। मोटे अनाज का उत्पादन बुंदेलखंड से विलुप्त हो रहा है। जो मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु पूरे विश्व में मोटे अनाज दिवस मनाया जा रहा है। । अभियान संस्थान के निर्देशक अशोक कुमार ने कहा कि मानव आधुनिकता व भौतिकवाद की तरफतेजी से विकास कर रहा है। प्रकृति को नष्ट करते हुए, प्रकृति का संचालन करने के लिए जल, जंगल, जमीन व जानवर का होना अति आवश्यक है जबकि इनका संतुलन बिगड़ता है तो प्रकृति में भी परिर्वतन होता है जैसे जलवायु परिर्वतन, असमय वर्षा , ओलावृष्टि महामारियों का फैलाव कृषि उत्पादकता में कमी आदि। जिला वास फोरम के आलोक द्विवेदी ने कहा कि शहरीय क्षेत्रों में बने तालाबों की स्थिति अच्छी नही है जिनका जीर्णोद्धार शासन के द्वारा कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में अमृत सरोवर का निमार्ण कार्य कर रही है जो सराहनीय कार्य है इसी तरह शहरों के तालाबों कार्य भी सुंदरीकरण का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि वाटर हारर्वेस्टिंग के सभी कामों को मनरेगा योजना से जोड़ा जाये। प्रगति शील किसान योगेश जैन ने कहा कि स्वयं के द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारे खेतों के आसपास 15 वर्ष पहले तीन सौ फिट नीचे जल स्तर था वैज्ञानिकों के सलाह के अनुसार खेतों में मेडबंदी पौधारोपण, खेत तालाब व नालों की खुदाई का कार्य किया गया जिससे जल स्तर ऊपर आया वर्तमान मे 45 से 50 फीट जल स्तर आ गया जिसका प्रमुख कारण पौधारोपण है। कृषि उपनिदेशक राजकुमार ने बताया कि जल को संरक्षित करने के लिए खेत का पानी खेत मे मेडबंदी के माध्यम से रोकना होगा। जिससे भूमि उर्वरा शक्ति बह कर बाहर ना जायें खेत की मेडों पर फलदार पौधों का रोपण किया जाए। इस मौके पर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ओम केशरवानी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सुनील द्विवेदी, ऋषि कुमार आर्य, पर्यावरण विद् गुंजन

कानपुर
आज
बुधवार 30 नवम्बर, 2022 सौर 14 मार्गशीर्ष सं. 2079

जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता पर संवाद कार्यशाला सम्पन्न

कार्यशाला को सम्बोधित करते डीडीओ आरके त्रिपाठी

चित्रकूट, 29 नवम्बर । जल सेवा चैरिटेबल फाउण्डेशन/वाटरएड द्वारा अभियान अतर्रा के सहयोग से जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता पर संवाद कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को स्वर्णिमा होटल सीतापुर में किया गया। कार्यशाला में कर्वी एवं पहाड़ी ब्लाक की 10 पंचायतों के वॉश फोरम के सदस्य, स्वैच्छिक संगठनों के सदस्यं, किशोरी एवं महिलाओं सहित, लगभग 100 लोगों ने कार्यक्रम में भागीदारी की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 'भूजल प्रबन्धन, भूजल की स्थिति, स्वच्छता, समस्यायें व समाधान पर संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी तुलसी राम उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी आर0के0 त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता वर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला विकास अधिकारी आर0के0 त्रिपाठी ने कहा कि जीवन के लिए शुद्ध पानी, शुद्ध हवा व शुद्ध पोषाहार बहुत जरूरी है। आज हमारा पूरा वातावरण जहरीला होता चला जा रहा है। कृषि में प्राकृतिक तरीके से खेती करने के बजाय किसान रासायनिक खेती करने पर ध्यान देता है। पूरी पृथ्वी में 3/4 पानी है लेकिन वह हमारे किसी काम का नही है। पहले कुआं, तालाब, पेड़ पौधे थे। आज कुआं और तालाब हमारे समाप्त हो गये है। पानी के जल स्रोत भी समाप्त हो रहे हैं। बिना मेंहनत से पानी मिलने से उसका दुरूपयोग हो रहा है। जनपद में जल जीवन मिशन के अंतर्गत तीन बड़ी योजनाएं है जिनमें ऊपरी पानी से सप्लाई की जायेगी। वर्ष 2024 तक में हर घर में नल से जल पहुंच जायेगा। बरसात के पानी को रोकने के लिए हमें जल संरक्षण संवर्धन के काम को करना होगा। बरसात के पानी से शुद्ध कोई पानी नहीं होता है। अब खेती में भी शुद्ध पानी का उपयोग बढ़ा है जिससे जनपद में भूजल का स्तर नीचे जा रहा है। यदि [illegible] के अंदर पानी नहीं [illegible] तो भूजल मे बढोत्तरी नहीं हो सकती है। हमें समुदाय को सरकारी संसाधनों व सुविधाओं का एक अभिभावक के रूप में देखना है। समाज में हर की भागीदारी व उत्तरदायित्व के बगैर कुछ नहीं हो सकता है। यदि लोग नहीं जागेंगे तो अगले 10 वर्षों में पानी का संकट एवं पर्यावरण का असंतुलन बढ़ जाने के कारण भूजल का दोहन ज्यादा हो गया है, जिसके परिणाम स्वरूप भूजल स्तर में दिनों-दिन कमी होती जा रही है। इसलिए जन समुदाय को भूजल प्रबन्धन के लिए आगे आना होगा।

जीवन के लिए शुद्ध पानी शुद्ध हवा बहुत जरूरी

चित्रकूट। जल सेवा चैरिटेबल फाउंडेशन वाटरएड अभियान अतर्रा के सहयोग से जिला स्तरीय जल एवं स्वच्छता को लेकर जिले के सीतापुर कस्बा होटल में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी ने कहा कि जीवन के लिए शुद्ध पानी, शुद्ध हवा व शुद्ध पोषण बहुत जरूरी है। पूरा वातावरण जहरीला होता जा रहा है। जिले में भूगर्भ का जल गिरता ही जा रहा है।

जिला पंचायत राज अधिकारी प्रकृति का दोहन हो रहा है। मार्च के महीने से मानिकपुर क्षेत्र में पानी की समस्या बढ़ जाती है। पानी को बूंद-बूंद बचाना होगा। जल सेवा चैरिटेबल फाउंडेशन वाटरएड अभियान अतर्रा के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि जिले में अच्छी बारिश होने के बाद भी यहां के निवासी पानी से जूझ रहे है। यदि पानी का संरक्षण किया जाए जो यह समस्या नहीं होगी। जिला वॉश फोरम के पदाधिकारी शंकर दयाल पयासी, श्रवण कुमार, दिलीप मिश्रा, सुनील कुमार, रेनू शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार व राजमन आदि मौजूद रहे। (संवाद) 30.11.02

दैनिक जागरण कानपुर 17 जून 2022

बुंदेलखंड जागरण

एक नजर

31 अगस्त को मनाएंगे गजानन महोत्सव

बांदा : [illegible]

देश की सलामती के लिए की अपील

बांदा : [illegible]

प्रतिभागियों को बांटे प्रमाण पत्र

बांदा : [illegible]

गांव में रोका पानी, खुशहाल जिंदगानी

जागरण संवाददाता • चित्रकूट

'पानी के एवज में 100 रुपये प्रतिमाह देना पड़ता है लेकिन, टोंटी खोलो तो पानी मिल जाता है। इससे खलता नहीं है।' कौहारी गांव की महिलाएं जब यह बात कहती हैं तो उनके चेहरे पर सुकून उभर आता है। [illegible] वह बताती हैं, 'उनके गांव में छह हैंडपंप लगे हैं, लेकिन गर्मी में सभी खराब हो जाते थे। अब सुबह, दोपहर व शाम दो-दो घंटा पानी मिलता है।' ग्राम प्रधान [illegible] के मुताबिक कभी यहां का भूगर्भ जलस्तर 90 फीट तक नीचे खिसक गया था, जल संचयन के बाद आज 60 फीट पर पानी मिल जाता है। विकास खंड कर्वी की ग्राम पंचायत कौहारी में जिससे भी बात कीजिए, 'बिन पानी सब सून' का मर्म समझ चुके लोग सहजता से आपको भी समझा देंगे। यहां के लोग आसमान से गिरने वाली एक-एक बूंद को सहेजते हैं। यही जल उनकी प्यास बुझाता है। इन सबके पीछे है वाटरएड व अभियान संस्था का प्रयास, जिन्होंने कौहारी गांव में पेयजल व जल संचय का कुछ ऐसा माहौल तैयार किया, जो दूसरे गांवों को भी [illegible] है।

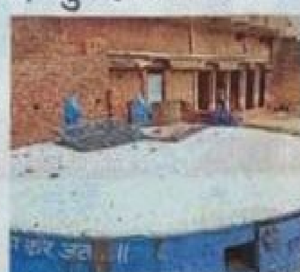

कौहारी गांव में [illegible] — जागरण

बांदा जिले की सीमा पर बसे कौहारी गांव से तीन किमी दूर [illegible] नदी बहती है, लेकिन गांव के लोग पानी के लिए जूझते थे। ऐसे में हालात बदले कैसे, इसकी कहानी काफी प्रेरक है। यहां स्वच्छ भारत मिशन का काम करने पहुंची बांदा के अतर्रा की अभियान संस्था ने क्षेत्र की समस्या को देखा तो तस्वीर बदलने का मन बनाया। गांव के युवाओं को तैयार किया। संस्था के निदेशक अशोक श्रीवास्तव बताते हैं कि सबसे पहले 'विलेज वाश फोरम' का गठन किया। इसके लिए विलेज वाश फोरम के अध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया था।

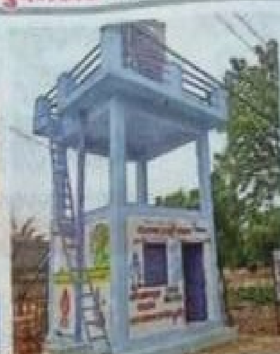

वाटरएड की ओर से बनाई गई कौहारी पेयजल योजना • जागरण

10 लाख में तैयार की पेयजल योजना

[illegible] कौहारी गांव में 145 परिवार हैं जिनकी करीब 1526 आबादी है। [illegible] 10 हजार लीटर पानी की टंकी [illegible] पेयजल योजना तैयार की गई है। [illegible] 1200 मीटर [illegible] योजना में करीब 10 लाख की लागत आई है। [illegible] 85 घरों में कनेक्शन है।

अब इस पर जोर

[illegible]

नदी में जाने नहीं देते गांव का एक बूंद पानी

कौहारी गांव [illegible] बारिश का पानी [illegible] नदी में चला जाता था। इसको रोकने के लिए संस्था ने [illegible] जल संरक्षण इकाई, [illegible] जल संरक्षण इकाई बनाई है। [illegible] करीब डेढ़ किलोमीटर में [illegible] एक बूंद पानी गांव के बाहर नहीं जाए।

जल संरक्षण

सामुदायिक प्रयास से अच्छा काम किया गया है। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास से गांवों की तस्वीर बदली जा सकती है।

शुभ्रांत कुमार शुक्ल, जिलाधिकारी

कौहारी गांव में किया गया जल [illegible] • जागरण

1. बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम

फोटोग्राफ :

वृक्षारोपण

IEC :

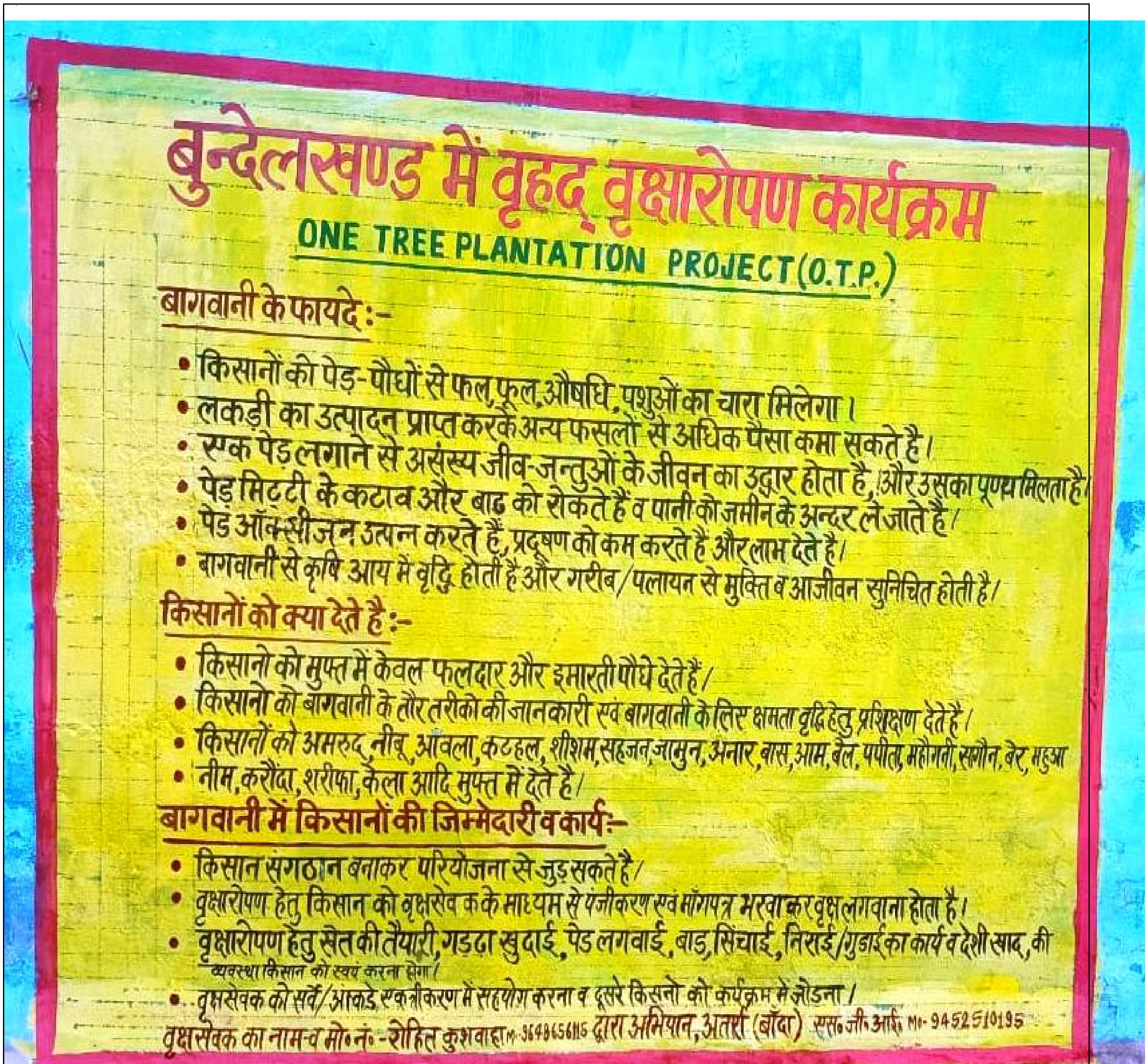
बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम
ONE TREE PLANTATION PROJECT (O.T.P.)
बागवानी के फायदे :-
• किसानों को पेड़-पौधों से फल, फूल, औषधि, पशुओं का चारा मिलेगा।
• लकड़ी का उत्पादन प्राप्त करके अन्य फसलों से अधिक पैसा कमा सकते है।
• एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है, और उसका पुण्य मिलता है।
• पेड़ मिट्टी के कटाव और बाढ़ को रोकते हैं व पानी को जमीन के अन्दर ले जाते है।
• पेड ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, प्रदूषण को कम करते है और लाभ देते है।
• बागवानी से कृषि आय में वृद्धि होती है और गरीब/पलायन से मुक्ति व आजीवन सुनिचित होती है।
किसानों को क्या देते है :-
• किसानो को मुफ्त में केवल फलदार और इमारती पौधे देते हैं।
• किसानो को बागवानी के तौर तरीको की जानकारी एवं बागवानी के लिए क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण देते है।
• किसानों को अमरुद, नीबू, आंवला, कटहल, शीशम, सहजन, जामुन, अनार, बास, आम, बेल, पपीता, महोगनी, सागौन, बेर, महुआ
• नीम, करौंदा, शरीफा, केला आदि मुफ्त में देते है।
बागवानी में किसानों की जिम्मेदारी व कार्य:-
• किसान संगठान बनाकर परियोजना से जुड़ सकते है।
• वृक्षारोपण हेतु किसान को वृक्षसेवक के माध्यम से पंजीकरण एवं मांगपत्र भरवाकर वृक्ष लगवाना होता है।
• वृक्षारोपण हेतु खेत की तैयारी, गड्ढा खुदाई, पेड लगवाई, बाड़, सिंचाई, निराई/गुडाई का कार्य व देशी खाद, की व्यवस्था किसान को स्वयं करना होगा।
• वृक्षसेवक को सर्वे/आंकड़े एकत्रीकरण में सहयोग करना व दूसरे किसनो को कार्यक्रम में जोड़ना।
वृक्षसेवक का नाम व मो० नं० - रोहित कुशवाहा M-9648656115 द्वारा अभियान, अतर्रा (बाँदा) एस० जी० आई० M- 9452510195

पेड की रक्षा।
धरती की सुरक्षा॥
(ग्रा.पं. बल्लान)

तदार वृक्ष लगाओ।
थाई विकास पाओ॥
अभियान अतर्रा / S.G.I. ग्रा.पं.-तेन्दुरा

बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम

ONE TREE PLANTED PROJECT (O.T.P.)

बागवानी के फायदे :-

- किसानों को पेड़-पौधों से फल, फूल, औषधि, पशुओं का चारा मिलेगा।
- लकड़ी का उत्पादन प्राप्त करके अन्य फसलों से अधिक पैसा कमा सकते हैं।
- एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है, और उसका पुण्य मिलता है।
- पेड़ मिट्टी के कटाव और बाढ़ को रोकते हैं व पानी को जमीन के अन्दर ले जाते हैं।
- पेड़ ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, प्रदूषण को कम करते हैं और लाभ देते हैं।
- बागवानी से कृषि आय में वृद्धि होती है और गरीबी/पलायन से मुक्ति व आजीवन सुनिचित होती है।

किसानों को क्या देते हैं :-

- किसानों को मुफ्त में केवल फलदार और इमारती पौधे देते हैं।
- किसानों को बागवानी के तौर तरीकों की जानकारी एवं बागवानी के लिए क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण देते हैं।
- किसानों को अमरूद, नीबू, आँवला, कटहल, नीम, सहजन, जामुन, अनार, बांस, आम, बेल, पपीता महौगनी, सागौन, बेर, महुआ, करौंदा, सरीफा, केला आदि मुफ्त में देते हैं।

बागवानी में किसानों की जिम्मेदारी व कार्य :-

- किसान संगठन बनाकर परियोजना से जुड़ सकते हैं।
- वृक्षारोपण हेतु किसान को वृक्षसेवक के माध्यम से पंजीकरण एवं मांग पत्र भरकर वक्ष लगवाना होता है।
- वृक्षारोपण हेतु खेत की तैयारी, गड्ढा खुदाई, पेड़ लगवाई, बाड, सिंचाई, निराई/गुडाई का कार्य व देशी खाद, की व्यवस्था किसान को स्वयं करना होगा।
- वृक्षसेवक को सर्वे/आंकडे एकत्रीकरण में सहयोग करना व दूसरे किसानों को कार्यक्रम में जोड़ना।

आयोजक - अभियान, अतर्रा (बाँदा)/शाखा चित्रकूट

सहयोगी - सस्टेनेबुल ग्रीन इनीशिएटिव (SGI) कोलकाता

सम्पर्क सूत्र - 9452510195, 8707060872

2. सुरक्षित एवं स्वच्छ जल उपलब्धता परियोजना

फोटोग्राफ :

foyst okW'k Qksje ds lnL;ksa dk ty lqj{kk ,o ty xq.koRrk ij izf'k{k.k	v/;kidks dk Ldwy okW'k ij izf'k{k.k
foyst okW'k Qksje ds lnL;ksa dk OkkW'k ij izf'k{k.k	fo'o ekgokjh LoPNrk fnol lekjksg

ftyk Lrjh; ty pkSiky

o"kkZ ty laxzg.k bdkbZ fuekZ.k dk;Z] xzke djkjh

[ksr rkykc fuekZ.k dk;Z] xzke dkSgkjh

gS.MiEi ejEer dk;Z] xzke dkSgkjh(cq)wiqjok)

xzs okVj eSustesUV (eSftd fiV) fuekZ.k dk;Z] xzke diuk

izkFkfed fo|ky; cjNkiqjok irkSM+k esa lsusVjh Cykd] gS.Mokf'kax ,oa is;ty bdkbZ fuekZ.k dk;Z

'kkSpky; ejEer@fuekZ.k dk;Z] xzke cukM+h o ckcwiqj

ty ,oa LoPNrk ds eqn~nks ij vf/kdkfj;ksa ds lkFk cSBd

izcU/k dkfj.kh lfefr dh cSBd

'अभियान' अतर्रा (बाँदा) के प्रबंध कारिणी समिति की बैठक दिनांक- 09.10.2022 (दोपहर-3 बजे से)	'अभियान' अतर्रा (बाँदा) के प्रबंध कारिणी समिति की बैठक